◆ ADVT ◆
यहाँ विज्ञापन दें
98700 06472 · need24.digital

NEED24 NEWS
हर ख़बर, हर शहर

नीड 24 न्यूज़

हर खबर, हर शहर

◆ ADVT ◆
यहाँ विज्ञापन दें
98700 06472 · need24.digital

DIGITAL E-PAPER

PRGI APPLICATION UNDER PROCESS
Application No. T/GJ/2026/0619/2304/1577

GST
GSTIN 24CINPG0564Q1ZT

UDYAM REGISTERED
UDYAM-GJ-14-0003714

◆ DIGITAL NEWS NETWORK ◆
भारत का भरोसेमंद बहुभाषी डिजिटल न्यूज़ नेटवर्क
11+ Languages | 24×7 Live | e-Paper Daily

हमारा App डाउनलोड करें
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

www.need24.digital
info@need24.in
+91 98700 06472
FOLLOW US:

तेज़ | सटीक | निष्पक्ष | जनहित में | सच की आवाज़ | जन-जन की आवाज़ | निडर पत्रकारिता

UTTARAKHAND | नीड 24 न्यूज़ · हर खबर, हर शहर | 22 नवम्बर 2026

अपराध

मीटर सील न करना, साक्ष्य छिपाना एवं ₹1.50 लाख की रिश्वतखोरी



हरिद्वार रुड़की मंगलौर मोहल्ला बंदर टोल बिजली विभाग अधिकारियों की उपस्थिति एवं विजिलेंस के नाम पर फर्जीवाड़ा:

विभागीय आख्या में श्री अनुभव सैनी (उपखण्ड अधिकारी, मंगलौर) की उपस्थिति दर्शाई गई है, जो कि सरासर झूठ है। घटनास्थल (स्टेट बैंक वाली गली) के CCTV/वीडियो फुटेज में स्पष्ट है कि वह मौके पर मौजूद ही नहीं थे। वहां केवल श्री अंजीव राणा (एसडीओ, पुहाना) एवं श्री अरुण कुमार (सहायक अभियन्ता, भगवानपुर) की टीम मौजूद थी। टीम के सदस्यों ने स्वयं को "विजिलेंस टीम" बताकर लोगों में भय का माहौल बनाया, जबकि नियमानुसार विजिलेंस की छापेमारी के समय न तो कोई पुलिस बल साथ था और न ही कोई महिला कांस्टेबल मौजूद थी। इसके विपरीत, टीम के सदस्यों ने घर की महिलाओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग व बदतमीजी की।

2. मीटर सील न करना, साक्ष्य छिपाना एवं ₹1.50 लाख की रिश्वतखोरी:

चेकिंग रिपोर्ट संख्या 4684 (दिनांक 29.09.2026) के माध्यम से प्रार्थी को फर्जी बिजली चोरी के मुकदमे और नोटिस का भय दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और मामला रफा-दफा करने के नाम पर ₹1,50,000/- (डेढ़ लाख रुपये) की अवैध रिश्वत वसूली गई। यदि मीटर में वास्तव में कोई गड़बड़ी थी, तो नियमों के तहत उसे मौके पर ही सील क्यों नहीं किया गया? वर्तमान में उस मीटर का कोई अता-पता नहीं है; एसडीओ की मिलीभगत से मीटर को गायब कर दिया गया है ताकि निर्दोष होने के सबूत मिटाए जा सकें। यह विजिलेंस के नाम पर अवैध वसूली का एक सुनियोजित गिरोह है, जिसके शिकार अन्य 23 लोग भी अगले दिन बिजली घर पर लाइन लगाकर समझौता (सौदेबाजी) करते देखे गए।

3. 'कानून-व्यवस्था (Law & Order)' बिगड़ने एवं मीटर छूटने का झूठा बहाना:

विभाग का यह दावा कि मोहल्ला बन्दरटोल (निकट बस स्टैंड) में भीड़ एकत्रित होने, अभद्र टिप्पणी करने या कानून-व्यवस्था बिगड़ने के कारण टीम को मीटर और केबिल मौके पर छोड़कर आनन-फानन में लौटना पड़ा, पूर्णतः निराधार है। घटनास्थल पर न तो कोई भीड़ थी और न ही कोई विवाद हुआ था। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मौके के वीडियो में टीम के सदस्य मीटर व केबिल अपने साथ ले जाते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। अधिकारी अपनी ₹1.50 लाख की रिश्वत को पचाने और मीटर गायब करने की करतूत को छिपाने के लिए मीटर मौके पर छूटने की झूठी कहानी गढ़ रहे हैं।

4. उपखण्ड कार्यालय में अभद्रता एवं गुंडागर्दी:

यह आरोप भी झूठा है कि प्रार्थी ने कार्यालय में आकर कर्मचारी श्री सागर सैनी से अभद्रता की या धमकी दी। वास्तविकता यह है कि जब प्रार्थी अपनी बेटी के साथ उपखण्ड कार्यालय गया, तो एसडीओ के इशारे पर पूरे स्टाफ ने प्रार्थी के साथ अभद्र व्यवहार व गुंडागर्दी की। शोर-शराबा सुनकर बाहर से आम जनता भी बिजली घर पहुंच गई थी। वहां मौजूद श्री सागर सैनी के माध्यम से ही ₹1.50 लाख की रिश्वत का लेन-देन हुआ था, और जब प्रार्थी ने इसका विरोध किया तो उल्टा प्रार्थी पर ही झूठे आरोप मढ़ दिए गए।1. विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत भ्रामक आख्या को निरस्त किया जाए।

2. घटनास्थल (स्टेट बैंक वाली गली व बन्दरटोल) तथा उपखण्ड कार्यालय मंगलौर के CCTV फुटेज और प्रार्थी के पास उपलब्ध वीडियो साक्ष्यों की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जाए।

3. गायब किए गए मीटर को बरामद कर उसकी फॉरेंसिक/लैब जांच कराई जाए तथा रिश्वतखोरी और पद के दुरुपयोग के दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

— Mohammed Saleem Ansari, हरिद्वार

राजनीति

रुड़की के लालकुर्ती स्थित प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में आयोजित भजन संध्या



रुड़की। श्री लक्ष्मी नारायण खाटू श्याम मंदिर सभा द्वारा लालकुर्ती स्थित प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें देर रात तक भक्तों ने धार्मिक भजनों का आनंद लिया। भजन गायिका रश्मि पांचाल के भजनों और भक्ति गीतों की धुन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। उनकी शानदार प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि बड़ी संख्या में भक्तजन देर रात तक मंदिर में डटे रहे। भजनों की धुन पर पुरुष, महिलाएं और युवा जमकर झूमते नजर आए।

धार्मिक कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व मेयर गौरव गोयल ने पूजा-अर्चना कर भगवान खाटू श्याम का आशीर्वाद लिया और सभी के सुख-समृद्धि व कल्याण की कामना की। वहीं, मेयर अनीता देवी अग्रवाल, राज्यमंत्री श्यामवीर सैनी, समाजसेवी अरविंद कश्यप तथा मेयर प्रतिनिधि ललित मोहन अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि प्रभु की कृपा सदैव सभी पर बनी रहे और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि व खुशहाली आए। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष संजय बंसल, सचिव सुनील महावर, संयम अग्रवाल, राजकुमार, मनीष अग्रवाल, राम लखन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे।

— Mohammed Saleem Ansari, हरिद्वार

स्थानीय

सदर: मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देते वक्त यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हुए भावुक, पार्थिव शरीर को दिया कंधा



सदर: मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देते वक्त यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हुए भावुक, पार्थिव शरीर को दिया कंधा

— Ankit singh

धर्म

राजा भैया ने खुलासा किया, हेलीकॉप्टर छोड़ कार से बागेश्वर धाम पहुंचे: कारण क्या था?



राजा भैया ने कुंडा से बागेश्वर धाम की यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर को छोड़कर सड़क मार्ग अपनाया, यह तथ्य स्थानीय स्रोतों ने पुष्टि

उन्होंने इस निर्णय के पीछे अपना विशेष कारण बताया, जिससे यात्रा के दौरान सुरक्षा और अन्य पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

राजा भैया ने इस विशेष कारण को सार्वजनिक किया, जिससे जनता को उनके यात्रा विकल्प के पीछे की सोच समझ में आई।

— Ankit Dwivedi

धर्म

रुद्रपुर में मानवता की मिसाल: नाले में गिरी गौ माता का गौ रक्षा दल ने किया रेस्क्यू, विराट आर्या की टीम ने दिखाई सेवा भावना



रुद्रपुर, 20 नवंबर 2026। रुद्रपुर में मानवता और जीव सेवा का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया, जहाँ नाले में गिरी एक गौ माता को बचाने के लिए गौ रक्षा दल रुद्रपुर की टीम तत्काल मौके पर पहुँची और उसके रेस्क्यू, उपचार एवं देखभाल में जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर में एक गौ माता नाले में गिर गई थीं और असहाय अवस्था में फँसी हुई थीं। इसकी सूचना पंकज शुक्ला जी द्वारा गौ रक्षा दल रुद्रपुर के प्रमुख श्री विराट आर्या जी को दी गई। सूचना मिलते ही विराट आर्या जी की टीम के विशाल जी एवं अन्य साथी बिना देरी किए घटनास्थल पर पहुँचे और गौ माता को सहायता पहुँचाने के लिए आवश्यक प्रयास शुरू किए।

टीम के सदस्यों ने गौ माता को सुरक्षित निकालने के साथ उसके उपचार एवं देखभाल में भी सहयोग किया। टीम का यह प्रयास बेजुबान जीवों के प्रति संवेदनशीलता, करुणा और निस्वार्थ सेवा भावना का उदाहरण बना।

गौरतलब है कि श्री विराट आर्या जी और उनकी टीम लगातार गौ माता की रक्षा, बचाव और उपचार से जुड़े सेवा कार्यों में सक्रिय रहती है। ऐसे कार्य समाज में जीवों के प्रति दया और जिम्मेदारी का संदेश देते हैं।

इस अवसर पर समाज के लोगों से अपील की गई कि गौ सेवा और बेजुबान पशुओं की रक्षा केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का मानवीय कर्तव्य है। रुद्रपुर के नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों से गौ रक्षा दल की टीम को आर्थिक सहयोग, दवाइयों तथा सेवा कार्यों में समय देकर सहयोग करने का आग्रह किया गया।

संदेश स्पष्ट है—बेजुबान जीवों की रक्षा ही सच्ची मानवता है। एक छोटा-सा सहयोग भी किसी जीव का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

निकालने के साथ उसके उपचार एवं देखभाल में भी सहयोग किया। टीम का यह प्रयास बेजुबान जीवों के प्रति संवेदनशीलता, करुणा और निस्वार्थ सेवा भावना का उदाहरण बना।

गौरतलब है कि श्री विराट आर्या जी और उनकी टीम लगातार गौ माता की रक्षा, बचाव और उपचार से जुड़े सेवा कार्यों में सक्रिय रहती है। ऐसे कार्य समाज में जीवों के प्रति दया और जिम्मेदारी का संदेश देते हैं।

इस अवसर पर समाज के लोगों से अपील की गई कि गौ सेवा और बेजुबान पशुओं की रक्षा केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का मानवीय कर्तव्य है। रुद्रपुर के नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों से गौ रक्षा दल की टीम को आर्थिक सहयोग, दवाइयों तथा सेवा कार्यों में समय देकर सहयोग करने का आग्रह किया गया।

संदेश स्पष्ट है—बेजुबान जीवों की रक्षा ही सच्ची मानवता है। एक छोटा-सा सहयोग भी किसी जीव का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

गौ माता की सेवा में समर्पित श्री विराट आर्या जी एवं उनकी पूरी टीम के इस सराहनीय प्रयास को हृदय से साधुवाद।

जय गौ माता!

— Prem Chandra Tiwari

राजनीति

मुख्यमंत्री योगी की माताजी का निधन, उत्तराखंड में शोक की लहर



उत्तराखंड से यह सूचना प्राप्त हुई कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूजनीय माताजी, श्रीमती सावित्री देवी, का स्वर्गवास हो गया।

इस समाचार के तुरंत बाद पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई और राजनीतिक दलों के नेताओं, संत-महात्माओं तथा सामाजिक संगठनों ने गहरी संवेदना व्यक्त की।

सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा मुख्यमंत्री तथा शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस दुखद घटना पर समाज में गहरा शोक व्यक्त किया गया और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएँ प्रकट की गईं।

— Kailash Chandra Gupta

राजनीति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी सावित्री देवी का 91 वर्ष की आयु में निधन, उत्तराखंड के पंचूर में



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी, श्रीमती सावित्री देवी, का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के अपने पैतृक गाँव पंचूर में अंतिम सांस ली।

रिपोर्टों के अनुसार, देवी जी कई वर्षों से उम्र-संबंधी रोगों से जूझ रही थीं। उनका निधन समाचार के बाद राज्य में शोक की लहर दौड़ गई।

विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। कई लोगों ने कहा कि यह अत्यंत दुखद क्षण है और मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार के साथ शोकाकुल हैं।

की कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान हो।

— शैलेष गुप्ता महाजन

बिगवाड़ा मंडी के पास हाईवे का कट बंद, आम जनता की बढ़ेंगी मुश्किलें



रुद्रपुर, 20 नवंबर 2026।

रुद्रपुर में बिगवाड़ा मंडी के पास हाईवे पर बने कट को बंद किए जाने से आम जनमानस को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस फैसले से स्थानीय लोगों, व्यापारियों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है।

स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि जब लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत से रिंग रोड का निर्माण किया गया है, तो भारी वाहनों का दबाव शहर के प्रमुख मार्गों पर क्यों बना हुआ है?

लोगों का कहना है कि शासन और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए भारी वाहनों का रूट रिंग रोड की ओर डायवर्ट करना चाहिए, ताकि शहर के अंदर यातायात का दबाव कम हो और आम जनता को राहत मिल सके।

हाईवे का कट बंद होने से विशेष रूप से उन लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ सकती है, जो रोजमर्रा के काम, व्यापार, मंडी और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं।

आम नागरिकों की मांग है कि यातायात व्यवस्था बनाते समय सड़क सुरक्षा के साथ-साथ जनता की सुविधा, समय और आवागमन की जरूरतों को भी प्राथमिकता दी जाए। प्रशासन को स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर उचित वैकल्पिक मार्ग और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

अब बड़ा सवाल यह है कि जब 1100 करोड़ रुपये की लागत से रिंग रोड बनाई गई है, तो भारी वाहनों के लिए उसका प्रभावी उपयोग कब सुनिश्चित किया जाएगा?

जनता को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात उपलब्ध कराना शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

— Prem Chandra Tiwari

स्थानीय

उत्तarakhand सरकार ने पंतनगर हवाई अड्डे की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की



उत्तarakhand सरकार ने पंतनगर हवाई अड्डे के विकास में एक महत्वपूर्ण प्रगति की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय से परियोजना को रोकने वाले प्रमुख अड़चनों को अब दूर कर दिया गया है, जिससे निर्माण कार्य में तेजी आएगी।

राज्य के नेताओं ने इस कदम को अपनी "बड़ी कामयाबी" कहा और बताया कि इससे प्रदेश की हवाई कनेक्टिविटी में सुधार होगा तथा पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह घोषणा उत्तarakhand में बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़ करने के व्यापक प्रयासों के अंतर्गत आई है।

हालांकि विस्तृत समय-सीमा अभी नहीं बताई गई, सरकार ने कहा कि अब रनवे उन्नयन और अन्य सुविधाओं के काम को तेज़ी से आगे बढ़ाया जा सकेगा, जिससे बड़े वाणिज्यिक उड़ानों के लिए हवाई अड्डा तैयार होगा।

स्थानीय व्यवसायियों और यात्रा एजेंसियों ने इस खबर का स्वागत किया, क्योंकि बेहतर हवाई संपर्क से आसपास के जिलों में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की उम्मीद है।

रखेगी और सुरक्षा तथा पर्यावरण मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय जारी रखेगी।

मौसम

उत्तarakhand में तेज़ बारिश, स्कूल बंद, चार धाम यात्रियों से सावधानी की अपील



उत्तarakhand के कई जिलों में गुरुवार को तेज़ बारिश ने तबाही मचाई, जिससे शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी-निजी स्कूलों को तत्काल बंद करने का आदेश दिया। जलभराव और बाढ़ के खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया।

पर्यटन विभाग और उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चार धाम यात्रा करने वाले यात्रियों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की। पहाड़ी रास्तों पर फिसलन, संभावित भूस्खलन और दृश्यता में कमी के कारण यात्रियों को गैर-आवश्यक यात्रा टालने और आवश्यक सामान साथ रखने की सलाह दी गई।

सड़क विभाग ने यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों की सफाई और निगरानी के लिए कार्यबल तैनात किया है। जहाँ परिस्थितियाँ असुरक्षित हों, वहाँ ट्रैफ़िक प्रतिबंध लागू किए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि मौसमी बाढ़ के कारण अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है, और मौसम की स्थिति के अनुसार स्कूलों के पुनः खोलने और यात्रा सलाह को पुनः मूल्यांकन किया जाएगा।

अब तक कोई हताहत दर्ज नहीं हुआ है, पर लगातार बरसात के कारण स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

स्थानीय

नेहरू कॉलोनी के दुकानदारों ने बंद नोटिसों के विरोध में दुकानें बंद कर दीं



नेहरू कॉलोनी के दुकानदारों ने स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए बंद नोटिसों के जवाब में अपनी दुकानों को सामूहिक रूप से बंद कर दिया है। व्यापारियों का कहना है कि नोटिस बिना पूर्व परामर्श के जारी किए गए हैं और उनके आजीविका को खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने दुकान के सामने 'बंद' संकेत लगाए हैं और आदेशों को वापस लेने की मांग की है। यह विरोध कार्रवाई अचानक और अनुचित प्रवर्तन के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। बंद नोटिसों के कारण और प्रभावित दुकानों की संख्या के बारे में अभी कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि बाजार में ग्राहकों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है क्योंकि स्टॉल बंद हैं। दुकानदारों ने नगरपालिका प्रतिनिधियों के साथ बैठक का अनुरोध किया है ताकि राहत उपायों पर चर्चा की जा सके। अधिकारियों ने अभी तक इस विरोध पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

स्थिति अभी भी बदलती हुई है, और दोनों पक्षों के आगे के संवाद या अतिरिक्त कदमों पर निर्भर करेगी कि आगे क्या होता है।

एनडीयूएसएसएल को मिल्क उत्पादन में उत्कृष्टता के लिए सम्मान



नेशनल डेयरी यूनिवर्सिटी (एनडीयूएसएसएल) को पायनियर एज की रिपोर्ट के अनुसार मिल्क उत्पादन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान विश्वविद्यालय की निरंतर उच्च दूध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र में योगदान को मान्यता देता है।

यह पुरस्कार भारत के डेयरी उद्योग में बेहतरीन प्रथाओं को उजागर करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। एनडीयूएसएसएल की उपलब्धि अन्य संस्थानों के लिए दूध की मात्रा और गुणवत्ता सुधारने का मानक बनती है।

अधिकारियों ने कहा कि यह सम्मान वैज्ञानिक अनुसंधान, किसान सहयोग और आधुनिक डेयरी प्रबंधन तकनीकों के महत्व को रेखांकित करता है, जो विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए हैं। यह सम्मान संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा और डेयरी नवाचार में और निवेश को प्रोत्साहित करेगा।

बिज़नेस

उत्ताखंड में गरीबी में गिरावट, 1,900 से अधिक स्टार्ट-अप्स: सीएम



उत्ताखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीनतम आँकड़े राज्य में गरीबी की दर में स्पष्ट गिरावट दर्शाते हैं। साथ ही, नए व्यवसायों के माहौल में तेजी आई है, जहाँ पंजीकृत स्टार्ट-अप्स की संख्या अब 1,900 से अधिक हो गई है। यह दोहरा विकास सरकार की समावेशी विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाता है। अधिकारियों ने इस प्रगति को लक्षित कल्याण योजनाओं और नवप्रवर्तकों के लिए समर्थन कार्यक्रमों को श्रेय दिया है। ये आंकड़े राज्य प्रशासन के एक बयान में बताए गए और पायनियर एज द्वारा रिपोर्ट किए गए।

धर्म

बागेश्वर धाम के प्रमुख पुजारी धीरेंद्र शास्त्री ने राम-कृष्ण टिप्पणी पर माफी माँगी, आंतरिक विभाजन को बड़ा खतरा बताया

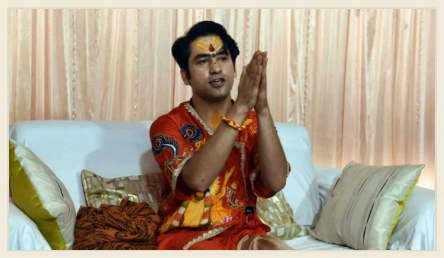

बागेश्वर धाम के प्रमुख पुजारी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मध्य प्रदेश में आयोजित प्रवचन के दौरान दी गई राम-कृष्ण टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी माँगी। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी एकता को उजागर करने के इरादे से थी, परन्तु इसे गलत समझा गया, जिससे हिंदू समुदाय के कुछ वर्गों में प्रतिक्रिया उत्पन्न हुई।

शास्त्री ने कहा कि हिंदुओं के बीच का आंतरिक संघर्ष संन्यासी धर्म के लिए बाहरी किसी भी खतरे से अधिक गंभीर है। उन्होंने चेतावनी दी कि विभाजन से धर्म की नैतिक नींव कमजोर होती है और सामूहिक पहचान खतरे में पड़ सकती है।

आलोचना और धमकियों के बावजूद, उन्होंने संन्यासी धर्म के प्रचार में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अनुयायियों से कहा कि वे भगवान राम द्वारा दर्शाए गए न्याय और सम्मान के सिद्धांतों का पालन करें, तथा मतभेदों को टकराव के बजाय संवाद से सुलझाएँ।

इस कदम को सराहा और एकता की अपील को समर्थन दिया, यह संकेत देते हुए कि संप्रदायिक विवादों से राष्ट्रीय सांस्कृतिक ताने-बाने को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

स्थानीय

उत्तराखंड में बस दुर्घटना: दो भाइयों की मौत, बेटी गंभीर घायल

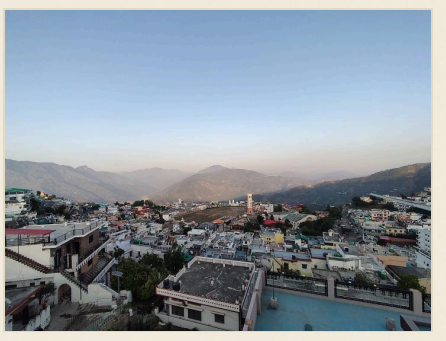

गुरुवार को उत्तराखंड के टिहरी जिले में एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे दो भाइयों की जान चली गई।

दोनों भाई, जिनकी उम्र क्रमशः 28 और 32 वर्ष थी, अपनी 5 वर्षीया बेटी के साथ यात्रा कर रहे थे, जो गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती हुई।

दुर्घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू की और संभावित ब्रेक विफलता को कारण बताया, परंतु सटीक कारण अभी भी जाँच के अधीन है।

दोनों भाइयों का अंतिम संस्कार गुरुवार को ऋषिकेश में हुआ, जहाँ शोकाकुल परिवार और समुदाय ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्थानीय

नैनीताल बस स्टैंड पर करोड़ों खर्च के बाद भी उपयोग नहीं

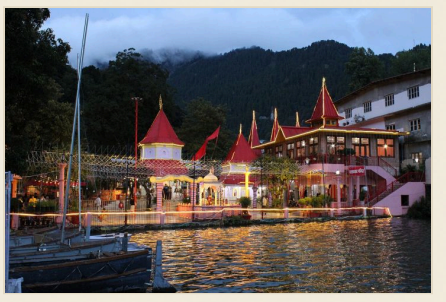

नैनीताल में हाल ही में निर्मित बस स्टैंड, कई करोड़ रुपये के सार्वजनिक खर्च के बावजूद, अभी तक उपयोग में नहीं आया है। स्थानीय प्राधिकरणों ने इस सुविधा को चालू करने की स्पष्ट समयसीमा नहीं दी है, जिससे यात्रियों को पुराने टर्मिनलों पर अस्थायी व्यवस्था अपनानी पड़ रही है।

निवासी और परिवहन संचालकों ने इस निष्क्रियता को परियोजना योजना और कार्यान्वयन में कमी के रूप में उजागर किया है। इस स्थिति से प्रदेश की कनेक्टिविटी और पर्यटन बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए आवंटित धन के उचित उपयोग पर सवाल उठते हैं।

जिला प्रशासन से इस देरी के कारणों का विवरण देने और बस स्टैंड को जल्द से जल्द चालू करने के कदम बताने की मांग की जा रही है, ताकि करदाताओं को निवेश का औचित्य दिखाया जा सके और दैनिक यात्रियों की असुविधा दूर की जा सके।

राजनीति

योगी आदित्यनाथ ने माँ को विदाई दी, उनके अवशेषों को उत्तराखंड में ले गए



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी माँ के अवशेषों को उत्तराखंड में एक गंभीर प्रक्रिया के दौरान ले गए।

यात्रा उत्तराखंड में शुरू हुई, पारंपरिक हिंदू शोक रीति के अनुसार, जिसमें मुख्यमंत्री परिवार के सदस्यों और नज़दीकी सहयोगियों के साथ थे।

एक संक्षिप्त बयान में, मुख्यमंत्री ने अपनी गहरी शोक व्यक्त की, यह कहते हुए कि उनकी माँ ने उनके जीवन में हमेशा सहारा दिया, और उत्तराखंड के लोगों का समर्थन के लिए धन्यवाद किया।

जिससे शोक प्रथा समाप्त हुई।

बिज़नेस

उत्तarakhand सीएम ने कहा गरीबी घट रही है, स्टार्ट-अप बढ़ रहे हैं



उत्तarakhand के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में गरीबी दर घट रही है, जो हालिया विकास पहलों के प्रभाव को दर्शाता है। साथ ही, राज्य में स्टार्ट-अप कंपनियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जिससे उद्यमशील माहौल मजबूत हो रहा है। यह दोहरा रुझान पायनियर एज के साथ एक बयान में उजागर किया गया, जो समावेशी विकास और नवाचार पर सरकार के फोकस को दर्शाता है। अधिकारियों ने बताया कि स्टार्ट-अप की बढ़ती संख्या रोजगार सृजन में मदद करेगी और गरीबी स्तर को और कम करेगी। हालांकि कोई विशिष्ट आंकड़े नहीं दिए गए, लेकिन इन टिप्पणियों से उत्तarakhand के आर्थिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव का संकेत मिलता है।

सरकार इस गति को बनाए रखने के लिए नई कंपनियों को नीति समर्थन और कमजोर वर्गों के लिए लक्षित कल्याण कार्यक्रमों की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास और बुनियादी ढाँचे में निरंतर निवेश गरीबी में गिरावट और स्टार्ट-अप विकास दोनों को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण होगा।

विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री के इन बयानों से राज्य की संभावनाओं में आशावाद बढ़ता है, क्योंकि घटती गरीबी दर और जीवंत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम रोजगार सृजन और आय वृद्धि की सकारात्मक चक्रवृद्धि को जन्म दे सकते हैं।

स्थानीय

उत्ताराखण्ड में दो सड़क दुर्घटनाओं में 12 मौतें, राष्ट्रपति मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त किया शोक



उत्ताराखण्ड में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। ये दुर्घटनाएँ आज सुबह राज्य के प्रमुख राजमार्गों पर हुईं और स्थानीय पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है। कई घायल गंभीर स्थिति में थे और उनका निधन हो गया। कारणों की जाँच के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, जिसमें सड़क की स्थिति और चालक के व्यवहार को शामिल किया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा में सुधार आवश्यक है।

राज्य सरकार ने मौजूदा ट्रैफ़िक नियमों की समीक्षा करने और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर विचार करने का एलान किया है।

राजनीति

मुख्य मंत्री आज अंतिम संस्कार के लिए उत्तराखंड रवाना



एक प्रमुख व्यक्ति के अंतिम संस्कार आज एक समारोह में आयोजित होने वाले हैं, जिसने राज्य में व्यापक ध्यान आकर्षित किया है।

इस घटना के महत्व को रेखांकित करते हुए, मुख्य मंत्री आज उत्तराखंड के लिए रवाना होने वाले हैं ताकि वे शोकसभा में भाग ले सकें।

मुख्य मंत्री की प्रस्थान आधिकारिक प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिससे वे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें और कार्यक्रम में हिस्सा ले सकें।

समारोह और दिवंगत व्यक्ति की पहचान के बारे में आगे की जानकारी अभी तक अधिकारियों द्वारा जारी नहीं की गई है।

अपराध

उत्तarakhand हाई कोर्ट ने सेवानिवृत्त कांस्टेबल से 23 लाख की अतिरिक्त वेतन वसूली को खारिज किया

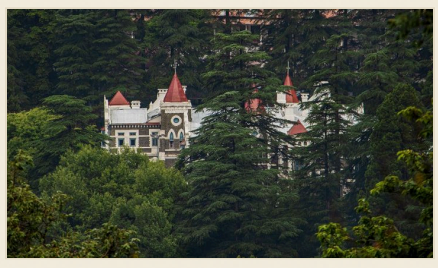

उत्तarakhand हाई कोर्ट ने सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल से 23 लाख रुपये की अतिरिक्त वेतन वसूली की मांग को खारिज कर दिया है। अदालत ने यह आदेश तब दिया जब वह आवेदन की समीक्षा कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि कांस्टेबल को सेवा के दौरान अधिक वेतन मिला था।

कोर्ट ने यह पाया कि वसूली के लिए पर्याप्त आधार नहीं है, जिससे पूर्व अधिकारी को इस विवादित राशि की कोई भी वित्तीय जिम्मेदारी नहीं होगी। सरकारी विभागों को वेतन अधिकता वसूली में स्पष्ट दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। यह निर्णय राज्य में समान मामलों के लिए एक मिसाल बन सकता है।

स्थानीय

उत्तराखंड की नैनि झील में बत्तखों की संख्या घट गई, चूहों ने अंडे खा लिए



नैनि झील, जो उत्तराखंड के नैनीताल शहर में स्थित है, में बत्तखों की संख्या में स्पष्ट गिरावट देखी जा रही है, अधिकारियों ने मंगलवार को बताया। वन्यजीव और वन विभाग के स्रोतों ने कहा कि झील के घोंसले के आसपास चूहों की संख्या में वृद्धि के कारण अंडे खाने की घटनाएँ बढ़ी हैं।

अंडे खाने से बत्तखों की प्रजनन सफलता पर असर पड़ता है, जिससे प्रत्येक मौसम में कम पंख फड़फड़ाते पंछी निकलते हैं। स्थानीय पर्यावरणविदों ने चिंता जताई है कि यह असंतुलन झील के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर सकता है, जहाँ जलपक्षी बीज प्रसार और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि वे चूहों को नियंत्रित करने के उपाय और घोंसले वाले क्षेत्रों की कड़ी निगरानी करने की योजना बना रहे हैं, ताकि बत्तखों के लिए अनुकूल प्रजनन माहौल बहाल हो सके। इन कदमों की कोई निश्चित समयसीमा अभी घोषित नहीं की गई है।

यह स्थिति लोकप्रिय पर्यटन स्थल में वन्यजीव आवास प्रबंधन की चुनौतियों को उजागर करती है, जहाँ मानवीय गतिविधियाँ अनजाने में ऐसे कीटों को बढ़ावा दे सकती हैं जो मूल प्रजातियों को खतरे में डालते हैं।

स्थानीय

उत्तarakhand के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून चिड़ियाघर में सफ़ेद बाघ का आवास उद्घाटित किया



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून चिड़ियाघर में विशेष रूप से निर्मित सफ़ेद बाघ आवास का औपचारिक उद्घाटन किया। इस समारोह में चिड़ियाघर के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे, जिन्होंने इस आवास की प्राकृतिक आवास जैसी डिजाइन पर प्रकाश डाला। सुदृढ़ करने की उम्मीद है, क्योंकि यह प्रजाति भारतीय चिड़ियाघरों में दुर्लभ है। चिड़ियाघर के प्रबंधकों ने कहा कि यह आवास प्रजनन, स्वास्थ्य निगरानी और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक नियंत्रित माहौल प्रदान करेगा।

चिड़ियाघर प्रबंधन ने इस परियोजना को संभव बनाने में राज्य सरकार के सहयोग और वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी बताया कि यह आवास जन जागरूकता बढ़ाने के लिए एक शैक्षिक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे संकटग्रस्त प्रजातियों की सुरक्षा के महत्व को उजागर किया जा सके।

उद्घाटन उत्तराखंड की वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और भारत की जैव विविधता की रक्षा के व्यापक राष्ट्रीय पहल के साथ मेल खाता है।

स्थानीय

आमा और बुबू की भावनात्मक यात्रा विंदोद कपूर के पायरे तक



आमा और बुबू, उत्तराखंड के एक छोटे से गांव के एक माँ और बेटे, विंदोद कपूर की अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए लंबी यात्रा पर निकले। उन्होंने बस और ट्रेन से यात्रा की, कठिन मौसम और लंबी यात्रा का सामना किया। आगमन पर उन्हें एक भीड़ और पायरे के गंभीर माहौल से स्वागत मिला। दोनों ने पूरे दिन पायरे पर रहकर रोते हुए अंतिम संस्कार के अनुष्ठान देखे। स्थानीय मीडिया ने उनके भावनात्मक अनुभव को कैद किया, जिससे कपूर के प्रति जनता की गहरी सम्मान और प्रेम स्पष्ट हुआ।

गंगोत्री में 26 पक्षी प्रजातियाँ ऊँची ऊँचाई पर पाई, अध्ययन से पता चला



उत्तरी भारत के गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी विज्ञान के शोधकर्ताओं ने ऊँची ऊँचाई पर 26 अलग-अलग पक्षी प्रजातियों को पाया। यह सर्वेक्षण, जो गर्मियों के कई हफ्तों में किया गया, 4,000 मीटर से ऊपर के क्षेत्रों पर केंद्रित था जहाँ पहले कम पक्षी रिकॉर्ड उपलब्ध थे। यह निष्कर्ष हाल ही में प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया और उच्च-ऊँचाई के हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र में समृद्ध पक्षी विविधता को दर्शाता है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि इन नाज़ुक आवासों की रक्षा करना आवश्यक है, क्योंकि पर्यावरणीय दबाव बढ़ रहे हैं।

राजनीति

उत्तराखंड सर्वे: भाजपा को मिली 53.4% समर्थन



उत्तराखंड में हाल ही में किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 53.4% वोटर समर्थन मिला। यह आंकड़ा आगामी राज्य चुनावों से पहले पार्टी के लिए एक मजबूत आधार दर्शाता है।

सर्वेक्षण में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के समर्थन का सटीक प्रतिशत नहीं बताया गया, परंतु भाजपा की बहुमत हिस्सेदारी से विपक्ष पर स्पष्ट बढ़त दिखाई देती है। विश्लेषकों का कहना है कि यह आंकड़ा सभी पार्टियों की अभियान रणनीतियों को प्रभावित कर सकता है।

यह सर्वेक्षण एक स्थानीय समाचार माध्यम द्वारा जारी किया गया और यह समय पर आया जब राजनीतिक दल उत्तराखंड में अपनी पहुंच बढ़ा रहे हैं। भाजपा का प्रदर्शन क्षेत्र में चुनावी कथानक को आकार देने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तराखंड में मतदाता भावना ऐतिहासिक रूप से बदलती रही है, परंतु वर्तमान डेटा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अधिकांश उत्तरदाताओं का समर्थन भाजपा की ओर है।

इन परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि चुनाव चक्र के आगे बढ़ने के साथ मतदाता जुड़ाव और मैदान पर अभियान का महत्व कितना बढ़ रहा है।